भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
4, कालीदास मार्ग, पो. बाक्स सं. 135,
देहरादून - 248 001, भारत
दूरभाष : +91-135- 2744583
फैक्स : +91-135- 2741987
डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह
निदेशक
Dr. Raghavendra Pratap Singh
Director

सत्यमेव जयते

Government of India
Department of Space
Indian Institute of Remote Sensing
4, Kalidas Road, P.B. No. 135,
Dehradun - 248 001, India
Tel. : +91-135- 2744583
Fax : +91-135- 2741987
email : rpsingh@iirs.gov.in
director@iirs.gov.in

No. IIRS/NNRMS/2023
Dated: February 08, 2023

Dear Sir/Madam,

Indian Institute of Remote Sensing (IIRS) under Indian Space Research Organisation (ISRO), Department of Space (DoS), Govt. of India is a premier Training and Educational Institute set up for training professionals in the field of Remote Sensing, Geoinformatics and Global Positioning System Technology for Natural Resource Management.

The Institute conducts regular National Natural Resources Management System (NNRMS) Certificate course of 8 weeks duration for faculty members of Universities/Colleges and Regular and Permanent Scientists/Engineers/Officers nominated by Central/State Govt. Institutions mandated for Training and Research every year in ten specialisations related to geospatial technology and its applications:

- Satellite Image Analysis & Photogrammetry
- GIS Technology & Advances
- RS & GIS Applications in Agriculture & Soils
- RS & GIS Applications in Coastal & Ocean Sciences
- RS & GIS Applications in Forest Resources & Ecosystem Analysis
- RS & GIS Applications in Geosciences
- RS & GIS Applications in Urban & Regional Studies
- RS & GIS Applications in Water Resources
- Natural Hazards and Disaster Risk Management
- Geocomputation and Visualization in Web Platforms

Every year, approximately 64 participants mainly from Universities/Colleges/Training Institutes are getting trained at IIRS with an aim that they will incorporate RS & GIS in their curricula/research. So far, IIRS has trained around 1200 faculty members/officials under this programme.
This year the course will commence from **May 15 to July 07, 2023.** Candidates have to fill online application and t**he last date for applying the course is March 17, 2023.**

We request for wider publicity and to nominate faculty member(s)/officials to attend the NNRMS Certificate course interested to expand his/her expertise in any of the above disciplines.

For further details please visit:
https://admission.iirs.gov.in/coursecalender
https://www.iirs.gov.in/nnrmssponsoredcourses

With best regards,

(R. P. Singh)

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
4, कालीदास मार्ग, पो. बाक्स सं. 135
देहरादून– 248 001, भारत
दूरभाष : +91-135-2524399
फैक्स : +91-135-2741987, 2748041

सत्यमेव जयते

Government of India
Department of Space
Indian Institute of Remote Sensing
4, Kalidas Road, P.B. No. 135,
Dehradun - 248 001, India
Telephone : +91-135- 2524399
Fax : +91-135- 2741987, 2748041

email: rpsingh@iirs.gov.in
director@iirs.gov.in

डॉ राघवेन्द्र प्रताप सिंह
निदेशक
Dr. Raghavendra Pratap Singh
Director

सं० भा.सु.सं.सं./एन.एन.आर.एम.एस/2023
दिनांक: फ़रवरी 08, 2023

महोदय/महोदया,

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (भा०सु०सं०सं०) भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन, अन्तरिक्ष विभाग, भारत सरकार के अन्तर्गत कार्यरत एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जिसे प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन हेतु सुदूर संवेदन, भू-सूचना तंत्र एवं वैश्विक स्थिति निर्धारण तंत्र (जी०पी०एस०) प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में प्रशिक्षित व्यवसाइयों को प्रशिक्षण हेतु स्थापित किया गया है।

यह संस्थान प्रतिवर्ष विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार के प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान संस्थानों द्वारा नामांकित नियमित और स्थायी वैज्ञानिकों/अधिकारियों/इंजीनियरों के लिए आठ सप्ताह का राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन प्रणाली (एन०एन०आर०एम०एस) प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का नियमित रूप से संचालन करता है। उक्त पाठ्यक्रम भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी एवं सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों की दस विशेषताओं/विधाओं में संचालित किया जाता है:

- उपग्रह छवि विश्लेषण एवं फोटोग्रामेट्री
- प्रौद्योगिकी एवं अग्रणीय भौगोलिक सूचना प्रणाली
- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का कृषि एवं मृदा में अनुप्रयोग
- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का तटीय एवं महासागरीय विज्ञान में अनुप्रयोग
- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का वन संसाधन एवं पारितंत्र विश्लेषण में अनुप्रयोग
- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का भूविज्ञान में अनुप्रयोग
- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का शहरी एवं क्षेत्रीय अध्ययन में अनुप्रयोग
- सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का जल संसाधनों में अनुप्रयोग
- प्राकृतिक विपत्ति एवं आपदा जोखिम प्रबंधन
- वेब प्लेटफॉर्म में भू-अभिगणना एवं प्रत्योक्षकरण

प्रतिवर्ष विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के लगभग 64 सहभागियों को भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान में इस उद्देश्य के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाता है कि वे अपने संस्थान के पाठ्यक्रम/अनुसन्धान में सुदूर संवेदन एवं भू-सूचना तंत्र (आर०एस० & जी०आई०एस०) को निगमित करेंगे।

इस संस्थान ने अब तक विषयक कार्यक्रम में 1200 से अधिक संकाय सदस्यों/अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। इस वर्ष उक्त पाठ्यक्रम का संचालन 15 मई से 07 जुलाई 2023 तक किया जाएगा। उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन भरना होगा और पाठ्यक्रम में आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 मार्च 2023 है।

हम आपसे इसके व्यापक प्रचार के लिए अनुरोध करते हैं तथा उपर्युक्त विषयों में से किसी में अपनी विशेषज्ञता के विस्तार करने के इच्छुक एन॰एन.आर.एम.एस सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लेने के लिए संकाय सदस्य (सदस्यों)/अधिकारियों को नामित करने का अनुरोध करते हैं।
अधिक जानकारी के लिए नीचे दिये गए लिंक पर सम्पर्क करे:
https://admission.iirs.gov.in/coursecalender
https://www.iirs.gov.in/nnrmssponsoredcourses

शुभकामनाओं सहित,

राघवेन्द्र सिंह
(आर.पी. सिंह)